अंत्योदय कार्डों में फर्जीवाड़े पर झुंझुनूं कलैक्टर सख्त, 122 कार्ड जांच के घेरे में

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना में अंत्योदय अन्न योजना का लाभ लेने के लिए राशन कार्डों की श्रेणी बदलने में कथित अनियमितता का मामला सामने आया

- 122 प्रकरणों में सबसे ज्यादा 50 मामले विकास अधिकारी, उदयपुरवाटी क्षेत्र के सामने आए हैं, नगर पालिका नवलगढ़ में 30 और विकास अधिकारी, नवलगढ़ क्षेत्र में 22 प्रकरण हैं
- मामले को गंभीरता से लेते हुए जिला कलैक्टर डॉ. अरूण गर्ग ने संबंधित राशन कार्डों और ई-मित्र आईडी की जांच के आदेश दिए

झुंझुनूं, (निसं)। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना में अंत्योदय अन्न योजना (एएवाई) का लाभ लेने के लिए राशन कार्डों की श्रेणी बदलने में कथित अनियमितता का बड़ा मामला सामने आया है। जिले में 122 राशन कार्डों को प्राथमिकता परिवार (पीएचएच) श्रेणी से अंत्योदय (एएवाई) श्रेणी में नियम विरूद्ध तरीके से परिवर्तित किए जाने की प्रारंभिक जांच में पुष्टि हुई है। कई मामलों में अंत्योदय श्रेणी के लिए पात्रता संबंधी वैध दस्तावेज आवेदन के साथ संलग्न नहीं मिले। मामले को गंभीरता से लेते हुए जिला कलैक्टर डॉ. अरूण गर्ग ने संबंधित राशन कार्डों और ई-मित्र आईडी की जांच के आदेश दिए हैं।

जांच में सामने आया कि कई परिवारों ने ई-मित्र के माध्यम से अंत्योदय श्रेणी में चयन के लिए आवेदन किया, लेकिन पात्रता साबित करने वाले जरूरी दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराए। कुछ आवेदन अपूर्ण पाए गए तो कुछ राशन कार्डों में अन्य संशोधनों के साथ श्रेणी परिवर्तन भी किया गया। अब प्रशासन ने पूरे मामले में आवेदन से लेकर अनुमोदन तक की प्रक्रिया की जांच शुरू कर दी है।

जिला रसद अधिकारी संदीप गौड़ ने बताया कि संबंधित 122 राशन कार्डधारियों को नोटिस जारी किए गए हैं। नोटिस प्राप्त होने के सात दिन के भीतर जिला रसद कार्यालय में उपस्थित होकर वैध दस्तावेजों सहित स्पष्टीकरण देना होगा। निर्धारित समय में दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करने अथवा पात्रता साबित नहीं होने की स्थिति में गेहूं की राशि 30.57 रूपए प्रति किलो की दर से वसूल की जाएगी।

मामले में ई-मित्र संचालकों की भूमिका भी जांची जाएगी। संबंधित ई-मित्र आईडी की सूची सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग तथा संबंधित अधिकारियों को भेजी गई है। प्रशासन ने ई-मित्र संचालकों को निर्देश दिए हैं कि अंत्योदय श्रेणी के आवेदन केवल वैध दस्तावेजों के आधार पर ही किए जाएं। लापरवाही या नियमों के उल्लंघन की पुष्टि होने पर संबंधित ई-मित्र संचालक के खिलाफ भी कार्रवाई होगी।

प्रारंभिक जांच में यह बात भी सामने आई है कि कुछ मामलों में नगर निकाय एवं पंचायत समिति के कार्मिकों ने राशन कार्डों का अनुमोदन करते समय अंत्योदय श्रेणी के लिए जरूरी दस्तावेजों की पर्याप्त जांच नहीं की। ऐसे में श्रेणी परिवर्तन का अनुमोदन करने वाले संबंधित कार्मिक भी जांच के दायरे में रहेंगे। जिला कलैक्टर डॉ. अरूण गर्ग के निर्देश पर संबंधित विकास अधिकारियों और नगर निकाय अधिकारियों को प्रकरणों की जांच के निर्देश दिए गए हैं। जांच में आवेदन पत्र, संलग्न दस्तावेज, श्रेणी परिवर्तन की प्रक्रिया और अनुमोदन से जुड़े रिकॉर्ड की पड़ताल की जाएगी।

35 किलो गेहूं के लिए बदली श्रेणी? :- राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के तहत पीएचएच श्रेणी के परिवारों को प्रति सदस्य प्रतिमाह 5 किलो गेहूं, जबकि अंत्योदय परिवार को प्रति राशन कार्ड 35 किलो गेहूं दिया जाता है। ऐसे में दोनों श्रेणियों के बीच मिलने वाले गेहूं की मात्रा में बड़ा अंतर है। जिले में संबंधित राशन कार्डों की श्रेणी में बदलाव फरवरी-मार्च 2025 के दौरान किए गए थे। प्रशासन अब यह जांच कर रहा है कि श्रेणी परिवर्तन नियमानुसार हुआ था या नहीं।

उदयपुरवाटी में सबसे ज्यादा मामले :- 122 प्रकरणों में सबसे ज्यादा 50 मामले विकास अधिकारी, उदयपुरवाटी क्षेत्र के सामने आए हैं। इसके बाद नगरपालिका नवलगढ़ में 30 और विकास अधिकारी, नवलगढ़ क्षेत्र में 22 प्रकरण हैं। नगरपालिका उदयपुरवाटी में 7 मामले मिले हैं। शेष मामले अन्य पंचायत समितियों एवं नगर निकायों से जुड़े हैं।

जांच के बाद तय होगी जिम्मेदारी :- 122 कार्डों की जांच के आदेश के बाद अब कार्डधारी, ई-मित्र संचालक और अनुमोदन करने वाले कार्मिक-तीनों स्तरों पर जिम्मेदारी तय होने की संभावना है। सात दिन में कार्डधारियों से प्राप्त होने वाले दस्तावेज और स्पष्टीकरण के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। अपात्र पाए जाने वालों से सरकारी गेहूं की राशि वसूलने के साथ नियमों की अनदेखी करने वालों पर कार्रवाई का रास्ता भी साफ होगा।

उदयपुर में हिस्ट्रीशीटर और उसके गुर्गों ने दो घरों पर फायरिंग की

- जिसके घर फायरिंग हुई, उसका भी आपराधिक रिकॉर्ड बताया जा रहा है
- पुलिस ने फायरिंग करने वाले हिस्ट्रीशीटर सहित तीन आरोपियों को डिटेन कर लिया

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर शहर के अंबामाता थाना क्षेत्र के मल्लातलाई इलाके में गुरूवार देर रात करीब एक बजे बाइक और स्कूटी पर चार बदमाशों ने दो गलियों में अलग-अलग घरों के बाहर फायरिंग की दो घटना को अंजाम दिया है। वारदात में हिस्ट्रीशीटर शामिल है, जिसने खुद गुर्गों के साथ मिलकर फायरिंग की, जिसके घर फायरिंग हुई उसका भी आपराधिक रिकॉर्ड है। क्षेत्र में वर्चस्व और खौफ कायम करने की बदमाशों की आपसी रंजिश के चलते इस वारदात को अंजाम दिया गया है। शहर में लगातार पांच दिन में फायरिंग की चार वारदातों से न सिर्फ शहरवासियों में दहशत है, बल्कि इन वारदातों ने पुलिस की भी नींद उड़ायी हुई है। फायरिंग की इस वारदात के बाद अधिकारी मौके पर पहुंचे और बदमाशों की धरपकड़ की जा रही है। पुलिस ने फायरिंग करने वाले हिस्ट्रीशीटर सहित तीन आरोपियों को डिटेन कर लिया है।

जानकारी के अनुसार बीती रात करीब एक बजे मल्लातलाई स्थित एक गली में हिस्ट्रीशीटर बाइक पर गुर्गे के साथ पहुंचा। हिस्ट्रीशीटर ने विरोधी अरबाज के घर पर कांच की बोतलें फेंकी और अवैध देशी कट्टे से फायरिंग की फरार हो गया। वहीं दूसरी गली में अरबाज के दोस्त मोहम्मद आरिफ के घर के बाहर स्कूटी पर हिस्ट्रीशीटर के दूसरे गुर्गे पहुंचे। इन दोनों ने आरिफ के घर पर कांच की बोतलें फेंकी और फायरिंग कर फरार हो गए। अरबाज जिसके घर फायरिंग हुई उसका भी आपराधिक रिकॉर्ड है। फायरिंग करने वाला हिस्ट्रीशीटर और जिसके घर फायरिंग हुई ये बदमाश क्षेत्र और विरोधी बदमाशों में खौफ कायम करने एक दूसरे को डराते धमकाते हैं, इसी उद्देश्य से यह फायरिंग की वारदात हुई। उदयपुर शहर में खौफ और वर्चस्व कायम करने बदमाशों में फायरिंग हो रही है। आशंका है कि शहर में अवैध हथियारों की तस्करी भी बढ़ी है। अवैध हथियार उदयपुर में सप्लाई हो रहे हैं तभी बदमाशों द्वारा बेखौफ चलाए जा रहे हैं।

जानकारी के अनुसार 29 अगस्त की आधी रात हिस्ट्रीशीटर मुजफ्फर उर्फ गोगा के गुर्गों उस्मान और मोहसीन काना सहित अन्य ने विरोधी फरदीन पर फायरिंग कर गोली मारी थी। वारदात में फरदीन गंभीर घायल हुआ था। इस रात इन बदमाशों ने फायरिंग करते हुए इनकी गाड़ियां सड़कों पर दौड़ायी थीं। जिसने पुलिस की रात्री सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े किए थे। पुलिस ने मुजफ्फर उर्फ गोगा को तो उसी दिन पकड़ लिया था, हालांकि फायरिंग करने वाले बदमाश अभी फरार हैं। 1 सितंबर की दोपहर शहर के व्यस्ततम पर्यटन क्षेत्र सहेली मार्ग स्थित मीरा पार्क के पास शादाब खान उर्फ अली गाइड ने हिस्ट्रीशीटर इरफान खान पर फायरिंग कर गोली मार दी थी। इसमें इरफान खान घायल हुआ था। पुलिस ने आरोपी गिरफ्तार कर लिए हैं। 1 सितंबर को ही डबोक के मंदेसर स्थित घर में घुसकर बदमाशों ने फायरिंग, तोड़फोड़ की थी और विवाहिता का अपहरण कर ले गए थे। पुलिस ने आरोपी गिरफ्तार कर लिए हैं।

रुदावल में आकाशीय बिजली गिरने से किशोर की मौत, दो घायल

- तीनों बारिश से बचने के लिए एक पेड़ के नीचे बैठे थे, इसी दौरान आकाशीय बिजली गिर गई

रुदावल/भरतपुर, (निसं)। जिले के रुदावल थाने क्षेत्र के गांव डुमरिया में शुक्रवार दोपहर बारिश के दौरान दर्दनाक हादसा हो गया। डुमरिया गांव के जंगल में आकाशीय बिजली गिरने से 17 वर्षीय किशोर की मौत हो गई, जबकि उसका बड़ा भाई और करीब 60 वर्षीय महिला गंभीर रूप से घायल हो गए। तीनों बारिश से बचने के लिए एक पेड़ के नीचे बैठे थे, इसी दौरान पेड़ पर आकाशीय बिजली गिर गई। हादसे के बाद दोनों घायलों को बयाना अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत में भरतपुर रेफर कर दिया गया।

घायल केशर देवी के अनुसार, डुमरिया गांव निवासी नितेश गुर्जर (17) अपने बड़े भाई सुनील गुर्जर (18) और करीब 60 वर्षीय केशर देवी के साथ गांव के जंगल में खेतों की ओर मवेशी चराने गए थे। इसी दौरान शुक्रवार दोपहर अचानक मौसम बदल गया। आसमान में घने बादल छा गए और तेज गर्जना के साथ बारिश शुरू हो गई। बारिश से बचने के लिए तीनों पास ही स्थित एक पेड़ के नीचे बैठ गए। कुछ देर बाद अचानक तेज आवाज के साथ आकाशीय बिजली पेड़ पर गिर गई। बिजली की चपेट में आने से नितेश गुर्जर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका बड़ा भाई सुनील और केशरदेवी गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की जानकारी मिलने पर आसपास मौजूद लोग और परिजन मौके पर पहुंचे। दोनों घायलों को तत्काल बयाना अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने सुनील और केशरदेवी को भरतपुर रेफर कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर रुदावल थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस ने किशोर के शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है।

अजमेर कांग्रेस में ऑनलाइन टिकट वितरण को लेकर उठ रहे हैं विवाद

वार्ड 67 के टिकट ने खोली अजमेर कांग्रेस की अंदरूनी सियासत की परतें

- टिकट के लिए आवेदन करने वाले कई दावेदारों को दरकिनार कर गोविंदराम जादम को प्रत्याशी बनाए जाने के बाद टिकट वितरण की प्रक्रिया को लेकर चर्चाओं का दौर तेज
- टिकट वितरण को लेकर आरटीडीसी के पूर्व अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह राठौड़ की भूमिका भी कांग्रेस के भीतर चर्चा का विषय बनी हुई है

अजमेर, (कासं)। नगर निगम चुनाव 2026 में नामांकन वापसी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद चुनावी तस्वीर साफ हो चुकी है, लेकिन कांग्रेस में टिकट वितरण को लेकर उठे विवाद थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। खासकर वार्ड 67 में टिकट वितरण को लेकर पार्टी के भीतर ही सवाल उठाए जा रहे हैं। टिकट के लिए आवेदन करने वाले कई दावेदारों को दरकिनार कर गोविंदराम जादम को प्रत्याशी बनाए जाने के बाद कांग्रेस के अंदरूनी समीकरणों और टिकट वितरण की प्रक्रिया को लेकर चर्चाओं का दौर तेज हो गया है।

कांग्रेस के प्रदेश नेतृत्व की ओर से टिकट के लिए ऑनलाइन आवेदन की व्यवस्था लागू की गई थी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा की ओर से यह स्पष्ट किया गया था कि ऑनलाइन आवेदन नहीं करने वाले दावेदारों को टिकट नहीं दिया जाएगा। ऐसे में वार्ड 67 में टिकट वितरण को लेकर पार्टी के ही नेताओं और कार्यकर्ताओं के बीच यह सवाल चर्चा का विषय बना हुआ है कि यदि किसी दावेदार ने ऑनलाइन आवेदन नहीं किया था तो उसे टिकट किस आधार पर मिला।

आवेदन करने वाले दावेदार रह गए पीछे :- वार्ड 67 से शंकर गुरु के पुत्र ओम शर्मा, अजमेर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अन्य पिछड़ा वर्ग विभाग के महासचिव खुशवंत रोहिल्ला तथा वरिष्ठ कांग्रेसी कार्यकर्ता अशोक मेहरा सहित कई लोगों ने टिकट के लिए दावेदारी जताई थी। इसके बावजूद गोविंदराम जादम को पार्टी प्रत्याशी बनाए जाने से टिकट के इच्छुक दावेदारों में असंतोष की चर्चा है। पार्टी के कुछ कार्यकर्ताओं का आरोप है कि टिकट वितरण में स्थानीय संगठन और लंबे समय से पार्टी के लिए काम कर रहे कार्यकर्ताओं की दावेदारी की अपेक्षा अन्य राजनीतिक समीकरणों को अधिक महत्व दिया गया। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

टिकट वितरण को लेकर आरटीडीसी के पूर्व अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह राठौड़ की भूमिका भी कांग्रेस के भीतर चर्चा का विषय बनी हुई है। पार्टी के कुछ कार्यकर्ताओं का दावा है कि अजमेर उत्तर विधानसभा क्षेत्र में टिकट वितरण के माध्यम से राठौड़ अपने राजनीतिक प्रभाव का आधार मजबूत करने की कोशिश कर रहे हैं।

समर्थकों को टिकट मिलने से बढ़ी नजदीकी, असंतुष्टों में नाराजगी :- कांग्रेस के कुछ कार्यकर्ताओं के बीच यह भी चर्चा है कि जिन नेताओं और कार्यकर्ताओं को टिकट मिला है, वे अपने चुनाव कार्यालयों के उद्घाटन और जनसंपर्क कार्यक्रमों में धर्मेंद्र सिंह राठौड़ को प्रमुखता दे रहे हैं। वहीं टिकट से वंचित रहे कुछ दावेदार और उनके समर्थक खुले तौर पर नाराजगी जाहिर कर रहे हैं। टिकट वितरण के विरोध में कुछ स्थानों पर राठौड़ के विरोध में प्रदर्शन और पुतले जलाए गये थे, इससे साफ है कि नगर निगम चुनाव के बीच कांग्रेस के भीतर टिकट को लेकर असंतोष सतह पर आ गया है। कार्यकर्ताओं का एक वर्ग यह भी मानता है कि चुनाव परिणाम चाहे जो रहें, टिकट वितरण की पूरी प्रक्रिया का राजनीतिक श्रेय और जिम्मेदारी शहर कांग्रेस नेतृत्व पर भी आएगी। यदि कांग्रेस नगर निगम में बोर्ड बनाने में सफल रहती है तो संगठन के नेतृत्व को इसका श्रेय मिलेगा, जबकि असफलता की स्थिति में टिकट वितरण को लेकर उठे सवाल और अधिक तेज होने की संभावना है।

युवक की मौत

जोधपुर, (कासं)। राष्ट्रीय राजमार्ग 62 पर खेड़ापा के पास सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। यह हादसा तेज रफ्तार ट्रक और बाइक के बीच हुई भिड़ंत के कारण हुआ। सूचना मिलते ही खेड़ापा थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान लोरड़ी पंडितजी निवासी किलाराम पुत्र मोहनराम सरगरा के रूप में हुई है। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को साइड में करवाकर यातायात सामान्य किया। इसके बाद पुलिस ने मृतक के शव को अपने कब्जे में लेकर बावड़ी राजकीय अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया।

जोधपुर में हैण्डीक्राफ्ट फैक्टरी में भीषण आग लगी

- आठ दमकलों ने मिलकर दो घंटे में आग पर काबू पाया

जोधपुर, (कासं)। शहर के बोरानाडा स्थित पेप्सी तिराहा से आगे एक हैण्डीक्राफ्ट फैक्टरी में सुबह आग लग गई। आग से लाखों का माल जलकर नष्ट हो गया। आठ दमकलों ने दस बारह फेरे कर दो घंटे से अधिक समय में इस आग पर काबू पाया। आगजनी में कोई हताहत नहीं हुआ है। आग लगने का प्रथम दृष्टया कारण शार्ट सर्किट माना जा रहा है।

बासनी फायर स्टेशन के प्रभारी प्रशांत सिंह ने बताया कि बोरानाडा स्थित पेप्सी फैक्टरी के आगे एक हैण्डीक्राफ्ट की फैक्टरी आई हुई है, जिसका मालिक संजय भाटी है। सुबह सूचना मिली कि फैक्टरी में आग लगी है। इस पर बासनी से 2, शास्त्रीनगर 2, चौपासनी हाउसिंग बोर्ड 1, बोरानाडा से दो और नागौरी गेट से एक गाड़ी को वहां बुलाया गया। आग की तीव्रता ज्यादा होने पर दमकलों को दो- दो फेरे तक करने पड़े। प्रभारी प्रशांत सिंह के अनुसार आग को काबू करने में तकरीबन दो घंटे लगे। इसमें कोई हताहत नहीं हुआ है। काफी नुकसान पहुंचा है। आग लगने का कारण प्रथम दृष्टया शार्ट सर्किट लग रहा है। अग्रिम पड़ताल जारी है।

जहरीला चारा खाने से 10 पशु बीमार

रामगंजमंडी, (निसं)। क्षेत्र के रिछड़िया गांव में जहरीला चारा खाने से 10 पशु बीमार हो गए। परिजनों और ग्रामीणों की मदद से सभी बीमार पशुओं को तत्काल राजकीय बहुद्देशीय पशु चिकित्सालय रामगंजमंडी लाया गया, जहां उनका उपचार किया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार, रिछड़िया निवासी नंदलाल गुर्जर के मवेशी बारिश के मौसम में खेत व आसपास उगी अवांछित झाड़ियों और चारे को खा रहे थे। चारा खाने के कुछ ही देर बाद पशुओं की तबीयत बिगड़ने लगी।

रूपनगढ़ में 32 हजार किलो से अधिक खाद्य स्टॉक जब्त

- फर्श पर गिरे और टूटे नूडल्स के दोबारा इस्तेमाल सहित कई अनियमितताएं सामने आईं, बिना लाइसेंस उत्पादन का भी मामला
- कुछ उत्पादों पर पुरानी पैकेजिंग तारीखों के इस्तेमाल का मामला भी जांच में सामने आया

रूपनगढ़, (कासं)। रूपनगढ़ स्थित सीजी फूड्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की इकाई में खाद्य सुरक्षा मानकों के कथित उल्लंघन का मामला सामने आया है। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) की टीम ने निरीक्षण के दौरान करीब 32,107 किलोग्राम खाद्य स्टॉक जब्त किया है। अधिकारियों ने मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

जांच के दौरान अधिकारियों को यूनिट में फर्श पर गिरे और टूटे हुए नूडल्स को दोबारा इस्तेमाल कर भुजिया उत्पाद तैयार किए जाने की जानकारी मिली। जांच में निर्धारित हीट ट्रीटमेंट प्रक्रिया को लेकर भी अनियमितता सामने आने की बात कही गई है। इसके अलावा कुछ उत्पादों पर पुरानी पैकेजिंग तारीखों के इस्तेमाल का मामला भी जांच में सामने आया।

जांच के दौरान 'वाई-वाई मा मा' और 'वाई-वाई मामा पुंटे' नाम से भुजिया उत्पादों का कथित रूप से आवश्यक लाइसेंस के बिना उत्पादन किए जाने की जानकारी मिली। एफएसएसएआई ने कंपनी को आवश्यक मंजूरी के बिना वेज भुजिया नमकीन का उत्पादन तत्काल बंद करने के निर्देश दिए हैं।

निरीक्षण के दौरान यूनिट की सफाई व्यवस्था में भी कई कमियां पाए जाने की बात सामने आई। इसके साथ ही आवश्यक दस्तावेजों में खामियां और पर्याप्त पेस्ट-कंट्रोल रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं होने की जानकारी भी जांच टीम ने दर्ज की। एफएसएसएआई की टीम ने प्रयोगशाला जांच के लिए नूडल्स, वेज भुजिया, इस्तेमाल किए गए कुकिंग ऑयल तथा 'वाई-वाई रेडी टू ईट नूडल्स' के नमूने लिए हैं। इसके अलावा करीब 1,925 बॉक्स तैयार उत्पादों को भी रोक दिया गया है, जिन्हें एक्सपायर्ड बताया गया है।

एफएसएसएआई ने कंपनी एवं संबंधित खाद्य कारोबार संचालक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। अधिकारियों के अनुसार आगे की कार्रवाई प्रयोगशाला जांच की रिपोर्ट और निरीक्षण के दौरान सामने आई कमियों के आधार पर की जाएगी। फिलहाल जब्त खाद्य स्टॉक और लिए गए नमूनों की जांच प्रक्रिया जारी है।

झांसा देकर खाते से 3.60 लाख रुपये पार किए

जोधपुर, (कासं)। शहर के पाल लिंक रोड कमला नगर अस्पताल के पास रहने वाले एक शख्स के साथ शातिर ने साइबर ठगी कर ली। उसे लोन दिलाने का झांसा देकर 3.60 लाख रूपए बैंक खाते से उड़ा लिए। पता लगने पर पीड़ित की तरफ से साइबर पोर्टल पर शिकायत दी गई। अब देवनगर पुलिस ने आईटी एक्ट एवं धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज किया है। घटना 28-29 अगस्त की है।

देवनगर थानाधिकारी कमल किशोर ने बताया कि कमला नगर अस्पताल पाल लिंक रोड स्थित महावीर नगर निवासी दिलीप पुत्र बाबूलाल माहेश्वरी की तरफ से रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि 28 अगस्त को उसके पास में किसी शख्स का कॉल आया और लोन देने की बात की। पांच लाख के लोन के लिए उसने व्हाट्सएप पर बाद में लिंक भेजा। इसके बाद पीड़ित ने लिंक को खोला तब उसके बैंक एकाउंट से पहली बार में 1.90 लाख फिर 1.70 लाख रूपए विड्राल कर लिए गए। पीड़ित की तरफ से साइबर पोर्टल पर भी शिकायत दी गई।

छबड़ा में देर रात से बारिश का दौर जारी, चुनाव प्रचार की रफ्तार थमी

छबड़ा, (निसं)। नगर पालिका चुनाव को लेकर शहर में चल रहे चुनाव प्रचार अभियान पर मौसम ने ब्रेक लगा दिया है। देर रात से लगातार हो रही बारिश के चलते शुक्रवार को चुनावी गतिविधियों की रफ्तार धीमी पड़ गई। बारिश के कारण प्रत्याशियों के जनसंपर्क और प्रचार कार्यक्रम प्रभावित हुए तथा कई स्थानों पर सड़कों और बाजारों में भी सामान्य दिनों की अपेक्षा आवाजाही कम नजर आई। नगर पालिका के 35 वार्डों में प्रत्याशी इन दिनों घर-घर संपर्क कर मतदाताओं से समर्थन मांग रहे हैं। सुबह से ही प्रत्याशियों और उनके समर्थकों की टोलियां विभिन्न वार्डों में जनसंपर्क के लिए निकलती हैं, लेकिन बारिश के चलते शुक्रवार को प्रचार अभियान प्रभावित रहा। लगातार बारिश के कारण प्रत्याशियों को अपने निर्धारित कार्यक्रमों में बदलाव करना पड़ा।

हालांकि मौसम खराब होने के बावजूद चुनाव मैदान में उतरे प्रत्याशी और उनके समर्थक प्रचार को पूरी तरह रोकने के बजाय मौसम खुलने का इंतजार करते नजर आए। कई प्रत्याशियों ने बारिश थमने के बाद सीमित स्तर पर जनसंपर्क करने की रणनीति अपनाई। चुनावी मुकाबला नजदीक आने के साथ प्रत्याशी एक-एक मतदाता तक पहुंचने की कोशिश में जुटे हुए हैं।

लगातार बारिश के कारण कच्चे रास्तों और गलियों में आवागमन प्रभावित होने की आशंका है। ऐसे में दूर-दराज के क्षेत्रों में जनसंपर्क करना प्रत्याशियों के लिए चुनौती बन गया है।

जोधपुर में मानसून सीजन की 65 फीसदी कम बरसात

जोधपुर, (कासं)। शहर में शुक्रवार को मौसम साफ बना रहा। हालांकि इसके साथ ही हल्के बादल भी छाए रहे, लेकिन बारिश नहीं हुई।

मौसम विभाग के अनुसार 9 सितंबर तक बारिश का अलर्ट नहीं है। शहर में अगस्त महीने के शुरुआती कुछ दिनों के बाद से बारिश नहीं हुई है। महीनेभर से शहर सूखा है। तापमान में भी पिछले कुछ दिनों से बढ़ोतरी हुई है। शहर में शुक्रवार को अधिकतम तापमान 34 और न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने आने वाले कुछ दिनों में बारिश नहीं होने का अनुमान जताया है। मौसम विभाग के अनुसार एक सितंबर तक जोधपुर में एक जून से सामान्य से 65 प्रतिशत कम बारिश हुई है। सामान्य बारिश 254.7 एमएम होनी चाहिए थी, जबकि इस बार केवल 189.2 एमएम बारिश रिकॉर्ड की गई, जो कि मानसून सीजन क सामान्य से 65.5 फीसदी कम है। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले कुछ दिनों के लिए जोधपुर शहर में किसी भी तरह का कोई बारिश का अलर्ट जारी नहीं किया गया है। हालांकि इस दौरान बादल छाए रहेंगे।

श्रीगंगानगर में मैदा बनाने वाली कंपनी से 54 लाख रुपए की धोखाधड़ी

- ग्यारह हजार क्विंटल मैदा खरीदकर भुगतान रोका, गुजरात-महाराष्ट्र के 7 कारोबारियों पर केस दर्ज

श्रीगंगानगर, (निसं)। यहां मैदा बनाने वाली कंपनी से करीब 54 लाख रुपए की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। आरोप है कि गुजरात और महाराष्ट्र के कारोबारियों ने खुद को एक ही बिजनेस ग्रुप से जुड़ा बताकर 2025-26 में करीब 11 हजार क्विंटल मैदा खरीदा। शुरुआत में समय पर भुगतान करने के बाद फरवरी 2026 से भुगतान रोक दिया गया। करीब 65 लाख रुपए बकाया होने पर 11 लाख रुपए आरटीजीएस से दिए गए, लेकिन बाकी रकम नहीं चुकाई गई। चूनावढ़ थाना पुलिस ने सात नामजद आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मंगला एग्रो फूड्स (नेतेवाला) के पार्टनर विलास मंगला ने पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि उनकी फर्म 2023-24 में शुरू हुई थी। जुलाई 2025 में मोबाइल से विनोद बरोट नाम के व्यक्ति ने उनसे संपर्क किया। उसने खुद को कई प्रतिष्ठानों का संचालन करने वाला बताया और बल्क में मैदा खरीदने की बात कही। पहले ऑर्डर में दो ट्रक राधे कृष्णा एंटरप्राइजेज, अहमदाबाद और एक ट्रक वीएम सोमया, राजकोट के नाम पर बुक किए गए। बाद में एक ऑर्डर पोयम एंटरप्राइजेज के नाम पर बदल दिया गया। विनोद बरोट ने राधे कृष्णा एंटरप्राइजेज, पोयम एंटरप्राइजेज, खुशी कॉर्पोरेशन, ऋएण्ड इंडस्ट्रियल (नासिक), ग्वालियर एडिबल्स, नील्योग एग्रो प्रोडक्ट्स, डुग्गु एग्रो एंड फूड और रतनकांत एग्रो इंडस्ट्रीज समेत कई फर्मों के नाम बताए। उसने दावा किया कि ये सभी फर्म एक ही बिजनेस ग्रुप की हैं। रिपोर्ट के अनुसार, इन फर्मों को 2025-26 में करीब 11 हजार क्विंटल मैदा सप्लाई किया गया। शुरुआत में सभी फर्मों की ओर से समय पर भुगतान होता रहा। इससे कंपनी का कारोबारियों पर भरोसा बढ़ गया और लगातार मैदा सप्लाई किया जाता रहा। फरवरी 2026 से अचानक ऑर्डर बंद हो गए। उस समय कंपनी का करीब 65 लाख रुपए का भुगतान बकाया था। विलास मंगला ने जब भुगतान के लिए संपर्क किया तो विनोद बरोट ने उन्हें आश्वासन दिया। मई 2026 में उसने विलास मंगला को अहमदाबाद बुलाया और वहां से मुंबई ले जाकर वाशी स्थित ऑफिस में मीटिंग करवाई। मीटिंग में प्रशांत निखारजे, विवेक हरीशचंद्र जाधव, जुनैद खान, रामयज्ञ रामकरण मिश्रा, गौरीधर, केतन बरोट समेत अन्य लोग मौजूद थे। इस दौरान कंपनी को11 लाख रुपए का भुगतान किया गया और बाकी रकम जल्द देने का आश्वासन दिया गया। इसके बाद कोई और भुगतान नहीं किया गया।

आरोप है कि इसके उलट इंडस्ट्रियल की ओर से करीब तीन महीने पुराना मैदा कंपनी की सहमति के बिना वापस भेज दिया गया। इसके बाद श्रीगंगानगर की कंपनी ने अपने कर्मचारी जयपाल को भुगतान के संबंध में जानकारी लेने अहमदाबाद और मुंबई भेजा। वहां जयपाल की विनोद बरोट और प्रशांत से बात हुई तो दोनों ने एक-दूसरे को नहीं जानने की बात कही। बाकी लोगों ने भी विनोद या प्रशांत को जानने से इनकार कर दिया और कंपनी का भुगतान करने से मना कर दिया। इसके बाद विनोद बरोट ने कथित तौर पर खुद कहा कि सभी ने मिलकर धोखा किया है और उसका इन लोगों के साथ कोई सीधा कारोबार नहीं है। वहीं, प्रशांत निखारजे ने भी रात में फोन पर कहा कि धोखाधड़ी होनी थी, जो हो गई और अब पैसे नहीं देने हैं। इसके बाद विलास मंगला ने विनोद बरोट, प्रशांत निखारजे, विवेक हरीशचंद्र जाधव, जुनैद खान, गौरीधर, केतन बरोट और रामयज्ञ रामकरण मिश्रा के खिलाफ पुलिस में रिपोर्ट दी। चूनावढ़ थाना पुलिस ने नामजद आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले की जांच कांस्टेबल गुरप्रीत सिंह कर रहे हैं।

एक ही भर्ती पर अलग-अलग जिलों में अलग नियम सामने आये

बीकानेर, (निसं)। तृतीय श्रेणी अध्यापक भर्ती-2022 के संशोधित परिणाम से प्रभावित शिक्षकों के मामले में प्रदेश में एक ही भर्ती के बावजूद अलग-अलग जिलों में अलग व्यवस्था सामने आ रही है। कुछ जिलों में प्रभावित शिक्षकों का वेतन नियमन और स्थायीकरण कर दिया गया है, जबकि करीब 500 शिक्षक अब भी अपने अधिकार के लिए विभागीय कार्यालयों और सचिवालय के चक्कर काट रहे हैं। करीब एक वर्ष पहले हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने प्रभावित शिक्षकों के पक्ष में फैसला दिया था। इसके बाद राज्य सरकार ने भी मामले में 'नो अपील' का निर्णय लिया। इसके बावजूद सभी प्रभावित शिक्षकों को समान रूप से राहत नहीं मिल पाई है। प्रतापगढ़, चित्तौड़गढ़, हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर, पाली, अलवर, कोटपूतली-बहरोड़, जयपुर, खैरथल-तिजारा, नागौर और झुंझुनूं सहित कई जिलों में शिक्षकों का वेतन नियमन और स्थायीकरण किया जा चुका है।

महात्मा गांधी विद्यालयों में कार्यरत प्रभावित शिक्षकों को भी इसका लाभ मिल चुका है। प्रारंभिक शिक्षा निदेशालय, बीकानेर की ओर से पूर्व में कहा गया था कि आगामी न्यायिक निर्णय के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। शिक्षकों का कहना है कि मामले में डिवीजन बेंच का फैसला अगस्त 2025 में आ चुका है और सरकार 'नो अपील' का निर्णय भी ले चुकी है। इसके बावजूद सभी जिलों में एक समान आदेश जारी नहीं किए गए। प्रभावित शिक्षक बताते हैं कि मुख्यमंत्री स्तर पर 4 अप्रैल 2025 को हुई बैठक में भी इस मामले को लेकर निर्देश दिए गए थे। इसके बावजूद प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ने से शिक्षकों में नाराजगी है। 1300 शिक्षक हुए प्रभावित, करीब 1000 अभी कार्यरत भर्ती के संशोधित परिणाम से कुल करीब 1300 शिक्षक प्रभावित हुए थे। इनमें लगभग 1000 शिक्षक वर्तमान में कार्यरत हैं।